अंबेडकर जयंती पर अनेक आयोजनों में शामिल हुईं विधायक चिटनिस, दिया समरस समाज का संदेश

बुरहानपुर। डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर मंगलवार को बुरहानपुर जिले में विविध स्थानों पर गरिमामय एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अर्चना चिटनिस ने सहभागिता करते हुए बाबा साहब की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

बुरहानपुर के न्यामतपुरा, ग्राम बहादरपुर, जिला प्रशासन द्वारा गोविंदजीवाला ऑडिटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम एवं ग्राम लोधीपुरा सहित विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होकर श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कार्यक्रमों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए तथा लोधीपुरा में प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण भी किया। श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि महापुरुषों की जयंती मनाने का उद्देश्य उनके विचारों को अपने जीवन में उतारना है। हमें उनके आदर्शों को अपनाकर समरस, न्यायपूर्ण और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज जब विश्व अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है,तब भारत अपनी संस्कृति, एकता और मूल्यों के बल पर एक नई आशा बनकर उभर रहा है, जिसकी मजबूत नींव हमारे संविधान ने रखी है। विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस ने ग्राम लोधीपुरा में संविधान निर्माता, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें कोटि.कोटि नमन किया। इस अवसर पर प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण कर उपस्थित समाजजनों को संबोधित किया। श्रीमती चिटनिस ने कहा कि बाबा साहेब के विचार और उनके आदर्श हमें सदैव न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज के निर्माण की प्रेरणा देते रहेंगे। विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि आज डॉ.भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के पावन अवसर पर हम सभी उनके महान विचारों,

संघर्षपूर्ण जीवन और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग को नमन करते हैं। यह दिन केवल स्मरण का नहीं, बल्कि संकल्प का दिन है। संकल्प इस बात का कि हम उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज में समानताए न्याय और भाईचारे की भावना को मजबूत करेंगे। बाबासाहब ने अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए जो कार्य किएए वे आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। यदि बाबासाहब नहीं होते, तो हमें ऐसा संविधान नहीं मिलता जो पूरे देश को एक सूत्र में पिरोता है, जो हर नागरिक को समान अधिकार देता है और जो श्सबका साथए सबका विकासश् की भावना को साकार करता है। उन्होंने ही हर व्यक्ति को मतदान का अधिकार दिलाकर लोकतंत्र को सशक्त बनाया और समाज के अंतिम व्यक्ति तक अधिकारों की पहुंच सुनिश्चित की। श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि महापुरुषों के जीवन से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। वे अपने विचारों और कर्मों से नए मार्ग का निर्माण करते हैं। उनके पदचिन्हों पर चलकर ही हम अपने जीवन को सही दिशा दे सकते हैं। जयंती मनाने का वास्तविक उद्देश्य यही है कि हम उनके विचारों को आत्मसात करें, उन्हें अपने आचरण में उतारें और समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करें। उन्होंने कहा कि आज जब पूरी दुनिया अनिश्चितता और विभिन्न चुनौतियों के दौर से गुजर रही हैए तब भारत एक उम्मीद की किरण बनकर उभर रहा है। हमारे देश की संस्कृतिए एकता और मूल्यों में वह शक्ति है, जो विश्व को दुख और कष्ट से बाहर निकालने की क्षमता रखती है। यह वही भारत हैए जिसकी नींव हमारे महान संविधान और बाबासाहब जैसे दूरदर्शी नेताओं ने रखी है। श्रीमती अर्चना चिटनिस ने ग्राम बहादरपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा बहादरपुर गांव इस भावना का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यहां बाबासाहब की प्रतिमा की स्थापना केवल सरकारी प्रयास नहीं, बल्कि समाज की सक्रिय सहभागिता का परिणाम है। यह दर्शाता है कि जब समाज और शासन साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो विकास और सामाजिक जागरूकता दोनों को नई दिशा मिलती है। यह प्रतिमा केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का केंद्र है। जो उन्हें समानताए शिक्षा और आत्मसम्मान के मार्ग पर आगे बढने् के लिए प्रेरित करती है। श्रीमती चिटनिस ने कहा कि आइए, इस पावन अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि बाबासाहब के विचारों को केवल शब्दों तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारकर एक समरस, सशक्त और विकसित समाज के निर्माण में अपना योगदान देंगे।

विश्व में शांति सद्भावना ओर खुशहाली की दुआएं

देश के प्रति वफ़ादार रहना हमारा कर्तव्य– सैय्यदना मुफादल सैफुदीन साहब

बुरहानपुर। मध्यप्रदेश के बुरहानपुर मे विश्व प्रसिद्ध दरगाह ए हकीमी मे सैयदी अब्दुल कादिर हकीमुदीन साहब का उर्स बड़ी ही श्रदा ओर अकीदत से मनाया जा रहा है जिसमे भारत सहित पुरे विश्व मे रेहने वाले दाऊदी बोहरा अनुयाई बुरहानपुर मे आये हुए है। दाऊदी बोहरा समाज के आध्यत्मिक ओर रूहानी शख्सियत सैयदी अब्दुल कादिर हकीमुद्दीन साहब के उर्स के अवसर पर 53 वें धर्मगुरु सैयदाना डॉ.मुफादल सैफुदीन साहब ने बुरहानपुर मे शिरकत की।

सैयदी अब्दुल कादिर हकीमुद्दीन साहब का जन्म 1665 मे रामपुर मे हुआ अत्यंत विद्वानए धर्मप्रेमी .विनम्रता के चलते आप से दूर दूर लोगो मिलने आते ओर आपका फैज़ पाते थे,आप की शख्सियत रूहानी दिनी रही आप साहित्य प्रेमी ओर महान लेखक थे उन्होंने उर्दू, संस्कृत, फ़ारसी ओर अरबी भाषाओं मे कई पुस्तके लिखी जो आज भी लोगो को प्रेरित करती है।

सैयदी हकीमुद्दीन साहब के उर्स पर 53 वें धर्मगुरु ने की विशेष दुआएं– सैय्यदना डॉ. मुफादल सैफु दीन साहब ने बुरहानपुर मे सोमवार रात्रि मे अपने पूर्वज सैयदी अब्दुल कादिर हकीमुद्दीन साहब के उर्स के अवसर पर दरगाह मे जियारत कर पुष्प चढ़ाये साथ ही 53 वें धर्मगुरु सैय्यदना डॉ.मुफादल सैफुदीन साहब ने अपने मुल्क भारत के साथ साथ पुरे विश्व मे शांति सदभावना ओर खुशहाली की दुआएं की। सैय्यदना साहब ने उर्स के अवसर पर आये हुए सभी दाऊदी बोहरा समाज के जियारिनो को वयाज फरमाई जिसमे उन्हें सभी को अपने बच्चों को मोबइल से दूर रेहने की सलाह दी जिससे बच्चों के ध्यान अधत्मिक के साथ साथ पढ़ाई मे लगे जिससे उनका ओर देश के भविष्य उज्ज्वल हो उन्हें खुशी जाहीर की की समाज जनों द्वारा इनके संदेश को आत्मसत किया जाता है जिससे एक बेहतर समाज के निर्माण मे सहयोग मिलता है। 53 वें धर्मगुरु सैय्यदना डॉ.मुफादल साहब ने सभी से कहा की जिस देश रहो उसके प्रति वफ़ादार रहना हमारा कर्तव्य ओर हर देशभक्त की पहचान है। साथ ही उन्होंने कहा की अपने अस पास साफ सफाई के विशेष ख्याल रखें साथ ही पेड़ पौधे जरूर लगये जिसमे हमारे शरीर को एक स्वस्थ ओर बेहतर वातावरण मिल सके। उपरासेक्त जानकारी दाऊदी बोहरा जमात कमेटी कोऑडिनेटर तफज्जुल हुसैन मुलायमवाला ने दी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में प्रस्ताव पारित, सांसद का अभिनंदन- महापौर

बुरहानपुर। नगर पालिक निगम बुरहानपुर के मेयर इन काउंसिल की बैठक में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस अवसर पर महापौर माधुरी अतुल पटेल सहित समस्त पार्षदों द्वारा मेयर इन काउंसिल की बैठक में पारित प्रस्ताव में उल्लेख किया गया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम वर्ष 2023 में संसद द्वारा पारित एक ऐतिहासिक कानून है, जिसके माध्यम से लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। यह अधिनियम महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा तथा उन्हें नीति.निर्माण की मुख्यधारा में सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करेगा। महापौर श्रीमती माधुरी पटेल ने कहा कि यह अधिनियम केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं हैए बल्कि यह देश की आधी आबादी को समान अवसर प्रदान कर भारत के समग्र विकास को नई दिशा देगा। उन्होंने यह भी कहा कि श्विकसित भारत 2047श् के लक्ष्य की प्राप्ति में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है।

प्रस्ताव में यह भी उल्लेख किया गया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा इस अधिनियम को शीघ्र लागू करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई हैए जिससे आगामी चुनावों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इससे समाज में समानता, सशक्तिकरण एवं समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा। बैठक के दौरान सभी पार्षदों एवं एमआईसी.सदस्यों ने इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए हस्ताक्षर कर अपनी सहमति प्रदान की। नगर निगम द्वारा इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते

हुए इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन करने पर क्षेत्र के सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल जी को बधाई एवं शुभकामनाए प्रेषित की गई। इस अवसर पर महापौर श्रीमती माधुरी अतुल पटेल ,पुर्व महापौर श्री अतुल पटेल ,एम आई सी सदस्य संध्या राजेश शिवहरे,भरत इंगले, धनराज महाजन, संभाजी सगरे, महेंद्र इंगले ,अनिल विस्पुते ,नितेश रोशन दलाल ,अमरीन एजाज असरफी,पार्षद स्वाति हेमेंद्र महाजन, सरला अशोक महाजन, मीना पीलिया,निर्मला मनोज फुलवानी, लता मनोहर मार्कण्डेय,पदमा गणेश वारुड़े,जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष किरण रायकवाड,मंडल अध्यक्ष नीलिमा पिलिया,मंडल मंत्री महिला मोर्चा लीना महाजन,मंडल महामंत्री महिला मोर्चा चेतना रावतोले,पूर्व जिला मंत्री महिला मोर्चा जयश्री पाटीदार, मंडल मंत्री दीपिका सोनी ,कार्यपालन यंत्री प्रेम कुमार साहू ,सहायक आयुक्त सुश्री स्वर्णिका वर्मा ,सहायक आयुक्त रितेश पाटीदार, लेखा अधिकारी विक्रम पोरवाल ,कार्यालय अधीक्षक संदीप तिवारी,सहायक यंत्री अशोक पाटिल, गोपाल महाजन ,निगम सचिव संजय शाह, जन संपर्क अधिकारी आदि उपस्थित थे।

मातापुर की डॉ. पायल कों एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त होने पर समाज में हर्ष का माहौल

बुरहानपुर। विदिशा के अटल बिहारी वाजपेयी सरकारी मेडिकल कॉलेज में 2020 बेच की के छात्रों को डिग्री से नवाजा गया है। जिसमें बुरहानपुर जिले के ग्राम मातापुर की होनहार छात्रा डॉ पायल प्रकाश राठौड़ ने एमबीबीएस की डिग्री सफलतापूर्वक प्राप्त कर अपने परिवार, समाज एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में गर्व और खुशी का माहौल व्याप्त है। डॉ पायल शिक्षक प्रकाश राठौड़ एवं माता सुमन राठौड़ की सुपुत्री हैं। साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने के बावजूद उन्होंने कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और निरंतर लगन के बल पर यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे बंजारा समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बन गई है।

कांग्रेस पार्टी ने किया डॉ बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण

बुरहानपुर। जिला कांग्रेस कमेटीए बुरहानपुर द्वारा संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के पर माल्यार्पण किया। इस अवसर कांग्रेसजनो ने बड़े पोस्ट ऑफिस के पास स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर उनके विचारों को नमन कर संविधान की मूल भावना को सशक्त बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान जिला अध्यक्ष रिंकू टॉकए हमीद काजीए सुरेन्द्र सिंहए अजय रघुवंशीए अनीता यादवए महामंत्री आशीष भगतए सलीम कॉटनवालाएहमीद डायमंडएविनोद मोरेए मज्जू मीरए हमीद डायमंडए आसिफ खानए आरिफ खान ए नोमान भाईएकैलाश यावतकरए फरीद काजीएशेख रुस्तमए पवन यादवए अरुण जोशीए असलम खानए साजिद अंसारीए विक्की वाघमारेए मीनाक्षी महाजनए शहजाद नूरए वसीम बख्शए शेख आरिफए आलोक मिश्रा आदि उपस्थित थे।

युवाओं के लिए प्रेरणा बने अश्विन पाटिल, ताप्ती सेवा समिति ने किया सम्मान

बुरहानपुर। जिले के बोरसर गांव में एक युवा ने अपने कार्यों से यह साबित कर दिया है कि सच्ची लगन और सेवा भावना से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। अश्विन पाटिल आज युवाओं के लिए एक जीवंत प्रेरणा बनकर उभरे हैं। उन्होंने अपने निजी संसाधनों से गांव के सार्वजनिक स्थानों पर निःशुल्क वाई.फाई सुविधा शुरू कर डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया। पर्यावरण संरक्षण के लिए घर.घर पौधों का वितरणए जरूरतमंदों के लिए उपयोगी वस्तुओं का संग्रह केंद्रए स्वच्छता के लिए डस्टबिन एवं नियमित कचरा संग्रहण जैसी पहल से गांव में अनुकरणीय बदलाव देखने को मिल रहा है।

बोरसर गांव में उनकी एक अनोखी पहलकृगाली.गलौज करने पर 500 जुर्माना या 1 घंटे की सफाईकृने गांव में सभ्यताए अनुशासन और आपसी सम्मान का वातावरण मजबूत किया है। साथ हीए गांव

में स्थापित छोटी लाइब्रेरी ज्ञान का एक सशक्त केंद्र बन रही है। इस अवसर पर ताप्ती सेवा समिति, बुरहानपुर द्वारा अश्विन पाटिल का सम्मान किया गया। समिति अध्यक्ष सरिता भगत ने कहा कि अश्विन पाटिल उन युवाओं के लिए प्रेरणा हैं,जो आज अपनी जवानी के जोश को नशे की लत या भटकाव में खो रहे हैं। यदि यही ऊर्जा और जोश देश और समाज के निर्माण में लगाया जाए, तो न केवल व्यक्तिगत जीवन सार्थक होगा,बल्कि समाज में नई मिसाल कायम होगी और देश का नाम भी रोशन होगा। उन्होंने सभी युवाओं से आह्वान किया कि वे अश्विन पाटिल के कार्यों से प्रेरणा लें और अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में ले जाकर समाज सेवा के माध्यम से उसे सार्थक बनाएं। ताप्ती सेवा समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे प्रयासों से समाज में जागरूकता और परिवर्तन की नई लहर उत्पन्न होगी। इस कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष श्रीमती सरिता भगत ,आशा तिवारी ,राजीव खेड़कर, धर्मेंद्र सोनी ,अत्ताउल्लाह खान ,श्री राम अग्रवाल ,अजय राठौर ,बसंत पाल ,डॉक्टर युसूफ खान ,राजकुमार बचवानी, रियाज उल हक अंसारी ,विजय राठौड़ ,वरुण चौधरी ,राजेश भगत आदि लोग मौजूद थे उप सरपंच विनोद जी शिंदे पिता बंडू पाटिल शुभम को काटे एवं अन्य युवा मौजूद थे।

डॉ.बाबासाहेब अम्बेडकर 135 वी जन्म जयंती पर महापौर ने पुष्प अर्पित कर नमन किया

बुरहानपुर। 14 अप्रैल 2026 को नगर निगम परिसर में भारत रत्न डॉ बाबा साहेब अम्बेडकर जी की 135 वी जयंती के अवसर पर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ उनका स्मरण किया गया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती माधुरी अतुल पटेल द्वारा डॉ.अम्बेडकर के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। महापौर श्रीमती पटेल ने अपने उद्बोधन में डॉ.अम्बेडकर के सामाजिक न्याय, समानता एवं शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं। भारत रत्न बाबासाहेब अंबेडकर जी को कोटि.कोटि नमन करते हुए महापौर श्रीमती माधुरी अतुल पटेल ने कहा कि उन्होंने सामाजिक न्यायए समानता एवं संवैधानिक मूल्यों के माध्यम से एक सशक्तए समरस एवं लोकतांत्रिक भारत की नींव रखी और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनके विचार और आदर्श हमें न्यायपूर्ण, समतामूलक एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में पुर्व महापौर श्री अतुल पटेल युवा नेता गजेन्द्र पाटिल,एम आई सी सदस्य पार्षद नितेश दलाल,भरत इंगले,महेन्द्र इंगले,भरत भुजडे,पाषर्द पति विनोद मोरे, सहायक आयुक्त सुश्री स्वर्णिका वर्मा, जन संपर्क अधिकारी हरिश मोरे,नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने डॉ.अम्बेडकर के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

जिला आधिवक्ता संघ द्वारा डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की 135वी जयंती पर उन्हें किया कोटिशः नमन

बुरहानपुर। भारतीय संविधान के शिल्पकार,महान समाज सुधारक एवं स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी की135वी जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन। उनका जीवन संघर्ष, समानता और न्याय के प्रति समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। आज जिला आधिवक्ता संघ सभागृह में जयंती समारोह की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष श्री सत्यनारायण वाघ जी एवं मुख्य अतिथि के रूप में विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री साखला ने की तथा विशेष अतिथि के रूप में न्यायाधीश श्रीमती शीतल बघेल ,राजू पांन्द्रे ,भरतसिंह भवर , रवि वर्मा जी सहित सभी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ आधिवक्ता साथिओं की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन हुआ कार्यक्रम का सफल संचालन संघ के सह सचिव निखिल खंडेलवालजी द्वारा किया गया।

बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समानता का अद्भुत उदाहरण- पाटील

बुरहानपुर। भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर जिले में गरिमामय कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित हुई। खंडवा लोकसभा सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने शहर में बड़े पोस्ट ऑफिस के पास स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद ग्राम जयसिंगपुरा आहुखाना में प्रतिमा स्थापना एवं अनावरण समारोह तथा ग्राम बहादरपुर में प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण कार्य के अनावरण में शामिल होकर कार्यक्रमों को संबोधित किया। सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने कहा कि बाबा साहेब डॉण् भीमराव अंबेडकर जी का जीवन संघर्षए शिक्षा और समानता का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने जो संविधान देश को दियाए वह हर नागरिक को समान अधिकार और सम्मान सुनिश्चित करता है। समाज में समरसता,न्याय और भाईचारे को मजबूत करना ही बाबा साहेब के विचारों का सच्चा अनुसरण है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बाबा साहेब के सपनों को साकार करने

की दिशा में निरंतर कार्य हो रहा है तथा वंचितए शोषित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिए पार्टी पदाधिकारीए कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।